SET-4

Series GBM

कोड नं.
Code No. **39**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **5** प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **15** printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **5** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

भारत की ज्ञान परंपराएँ और पद्धतियाँ

KNOWLEDGE TRADITIONS AND PRACTICES OF INDIA

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 70*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 70*

निर्देश : ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

Instructions : *Attempt* ***all*** *questions.*

खण्ड क
(पठन कौशल)

SECTION A
(Reading Skills)

1. (क) नीचे दिए गए अवतरण को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *10*

भारतीय नागरिक राज्यव्यवस्था बैबीलोनिया के समान ही प्राचीन है और चीन के समान सर्वाधिक समय तक चली है । इसकी स्थापना रामदास द्वारा अपने ग्रंथ '*दासबोध*' (1.10.25) में निरूपित कथनानुसार ही हुई है कि "मनुष्य स्वतंत्र है और बलपूर्वक उसका दमन नहीं किया जा सकता" ।

जब मानवों की बड़ी संख्या साथ-साथ रहती है, तो कुछ नियमों और विनियमों की आवश्यकता होती है क्योंकि मानव स्वभाव '*मत्स्य न्याय*' की भाँति होता है, 'जहाँ बड़ी मछली छोटी मछली को खा जाती है,' यह वस्तुओं के स्वभाव में ही होता है कि बलशाली दुर्बल का शोषण करता है । इसलिए प्रारंभिक समय से ही भारत में यह अनुभूति थी कि एक ऐसा 'समाज' होना ही चाहिए जो परस्पर सहमति से बने कुछ नियमों और विनियमों से संचालित होता हो । तथापि ऐसा 'समाज' केवल ढीले-ढाले तौर पर ही नियमित होता है — यह रीति-रिवाजों तथा पद्धतियों से चलता है, विधियों (क़ानूनों) से नहीं । इसलिए कुछ और कठोर संगठन की आवश्यकता होती है, ऐसी प्रणाली जिसे राजनीतिक चिंतन में 'राज्य' कहा जाता है, एक राजनीतिक प्रणाली जो विधि से प्राप्त स्वीकृति और आधार पर हो, ऐसी प्रणाली जो विधि द्वारा शासित हो ।

एक 'राज्य' के अनेक आयाम होते हैं — शासितों और शासकों के कर्तव्य और अधिकार, शासन के नियम जो शासितों और शासकों पर लागू होते हैं । इसी प्रकार किसी 'समाज' के भी अपने घटक होते हैं, विभिन्न *जातियाँ* या समुदायों और प्रकार्यात्मक इकाइयाँ जिन्हें हम *वर्ण* या जाति कह सकते हैं । किसी समाज की संरचनात्मक इकाइयाँ भी होती हैं जैसे परिवार, संस्थाएँ जैसे विवाह और रीति-रिवाज तथा पद्धतियाँ जैसे कि उत्तराधिकार, वैवाहिक कर्मकांड, शोक करने के रिवाज और अंत में व्यक्ति और समाज के जीवन का एक ढाँचा जैसे *आश्रम व्यवस्था* हिंदू समाज में किसी व्यक्ति के जीवन में रखी गई है ।

भारतीय समाज लगातार अस्तित्व में रहने वाला सबसे प्राचीन समाज है जिसमें वही लंबे, निरंतर और उत्तरोत्तर बढ़ने वाली सामाजिक प्रणालियाँ हैं जिन्हें समाजशास्त्रीय ग्रंथों के द्वारा कूटबद्ध किया है । उन ग्रंथों को 'धर्मसूत्र', 'धर्मशास्त्र' और 'निबंध' कहा जाता है ।

(i) स्पष्ट कीजिए कि हमें अपने समाज में नियमों और विनियमों का पालन करना क्यों आवश्यक है । 2

(ii) किसी 'राज्य' के आयामों का वर्णन कीजिए । 2

(iii) समाज की प्रमुख संरचनात्मक इकाइयों की पहचान कीजिए । 2

(iv) हिंदू समाज में, किसी व्यक्ति के जीवन का आदर्श संगठन का उदाहरण किसे कहा गया है ? 2

(v) रामदास द्वारा '*दासबोध*' में निरूपित स्थापना को समझाइए । 2

(ख) नीचे दिए गए अवतरण को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

प्रत्येक युद्ध कला को सीखने के लिए विशेष क्षेत्र थे । अस्त्रों का प्रशिक्षण देने के लिए मैदान का वर्णन करते हुए *धनुर्वेद* कहता है कि ऐसे मैदान भी राख, हड्डियाँ, धूल, पत्थर, काँटे और कँटीली झाड़ियाँ नहीं होने चाहिए और उसे खुला, पर्याप्त चौड़ा तथा चारों ओर से दीवार से घिरा होना चाहिए ।

कुश्ती के अखाड़े को *मल्लशाला* कहा जाता था । *मानसोल्लास* में कुश्ती के गड्ढे का विस्तृत वर्णन है और कहा गया है कि इसे चिकनी मिट्टी से भरा जाना चाहिए जिसमें कंकड़ तथा अन्य ठोस वस्तुएँ न हों, उसे समतल किया जाना चाहिए तथा थोड़ा-सा गीला रखना चाहिए । लड़ाई के मैदान को *खलक* कहा जाता था, यह ऊँचा, गोलाकार, समतल और मज़बूत होता था और *वीक्षणमंडप* (दर्शक दीर्घा) से घिरा होता था । *मल्लक्रीड़ामहोत्सव* अथवा कुश्ती के बड़े उत्सव बहुत प्रसिद्ध थे और समय-समय पर आयोजित होते थे ।

युद्ध कला में निपुणता प्राप्त करने की तैयारी में शारीरिक बल बढ़ाने के लिए कुश्ती के अतिरिक्त अन्य व्यायाम भी संस्तुत किए जाते थे । ये व्यायाम थे : *भारश्रम* – (वेटलिफ्टिंग) हाथ से और पैर से भी, *भ्रमणश्रम* – सुबह सैर करना, दौड़ना और तेज़ चाल से चलना, *सलिलश्रम* – तालाब, झील या नदी में तैरना, *बाहुपेल्लनकश्रम* – हाथों की पकड़ को मज़बूत करने के लिए साथी की भुजाओं की पकड़ और रगड़ से किया जाता था । *स्तंभश्रम* – भूमि पर जमाए हुए एक लकड़ी के *स्तंभ* से किया जाता था, स्तंभ का चिकना और फिसलन वाला, पकड़ के लिए पर्याप्त मोटा तथा कुश्ती करने वाले के उठाए हुए हाथ के बराबर होना आवश्यक था । योद्धा अपनी भुजाओं से और टाँगों से स्तंभ को पकड़ता शरीर को ऊँचा उठाता और मोड़ने वाली गतियों से उसे लपेटता था । यह स्तंभ व्यायाम आज भी प्रचलित है और उसे *मल्लखंभ* कहा जाता है ।

(i) *धनुर्वेद* के अनुसार, शस्त्र शिक्षण के लिए पूर्ण उपयुक्त मैदान कैसा होना चाहिए ? 2

(ii) संघर्ष प्रारंभ होने से पूर्व *मल्लशाला* कैसी होनी चाहिए ? 2

(iii) स्पष्ट कीजिए कि *'वीक्षणमंडप'* से आप क्या समझते हैं । 2

(iv) निम्नलिखित व्यायामों के लिए उदाहरण दीजिए : 2
भारश्रम तथा *सलिलश्रम* ।

(v) समझाइए कि *मल्लखंभ* कैसे किया जाता है । 2

(a) Read the passage given below and answer the questions that follow :

Indian civil polity is almost as old as that of Babylonia and has lasted, like that of China, longer than any other. It is founded on the dictum enunciated by Rāmadāsa in his *Dāsabodha* (1.10.25) that "man is free and cannot be subjected by force".

When a large number of human beings live together, there is need for some rules and regulations because human nature is such that '*matsya nyāya',* 'the big fish eats the small fish,' prevails, i.e., it is in the nature of things that the strong will exploit the weak. So since early days, there is a realization in India that there has to be a 'society' governed by some commonly agreed rules and regulations. However, such a 'society' is only loosely regulated — it is governed by customs and practices, not by laws. Therefore, some more rigorous organization is needed, a system called 'state' in political thought, a political system with a legal sanction and foundation, a system ruled by law.

A 'state', *rājya*, has several dimensions — the duties/rights of the ruled and the rulers, the rules of governance and the rules that govern the rulers and the ruled. In the same way, a 'society', *samāja*, has its components, the different *jātis* or communities and functional units that we may call *varṇas* or castes. A society has its structural units such as family, institutions such as marriage, and customs and practices such as inheritance, rituals of marriage and mourning, and finally a framework of individual and social life as for example the *āśrama vyavasthā* laid down in the Hindu society as an ideal organization of an individual's life.

Indian society is among the oldest societies in continuous existence with broadly the same ancient social system codified in the long, continuous, cumulative attested textual tradition of sociological texts known as Dharmasūtras, Dharmaśāstras and Nibandhas.

(i) Explain why we need to follow rules and regulations in our society.

(ii) Describe the dimensions of a 'rajya'.

(iii) Identify the main structural units of a society.

(iv) In Hindu society, what is mentioned as an example of an ideal organization of an individual's life ?

(v) Explain the dictum enunciated by Rāmadāsa in his *Dāsabodha*.

(b) Read the passage given below and answer the questions that follow :

There were specific arenas for the practice of each martial art. The *Dhanurveda* describing the ground for weapons training says that such a ground should be free from ash, bones, dust, stones, thorns and thorny bushes and should be spacious and sufficiently broad in dimension and surrounded with a compound wall.

The wrestling arena was known as the *mallaśālā*. The *Manasollāsa* gives a detailed description of the wrestling pit and says that it should be filled with smooth village soil free from pebbles and other hard objects and should be levelled and kept slightly wet. The ground for combat was known as *khalaka*; it was to be high, round, even and strong and surrounded by a *vīkṣaṇamaṇḍapa* (visitor's gallery). *Mallakriḍamahotsava* or grand wrestling festivals were popular and periodically organized.

Apart from wrestling there were other exercises that were recommended in order to increase physical strength as a preparation to the mastering of martial arts. These exercises were, *bhāraśrama* or weightlifting both by hands and feet, *bhramaṇaśrama,* walking and running and taking brisk walks in the morning, *salilaśrama*, swimming in a tank, lake or river, *bāhupellanakaśrama* was done to

increase the strength of the grip of hands through friction by contacting the arms with the arms of a partner. *Stambhaśrama* was performed on a wooden pole (*stambha*) firmly fixed on the ground; the pillar had to be smooth and sliding, sufficiently thick for grasping and as high as the raised arm of the wrestler. The wrestler would grasp the pillar with his arms and legs, lift his body and encircle the pillar with twisting movements. This pillar exercise is prevalent even today and is known as *mallakhamba*.

(i) According to *Dhanurveda*, what should a perfect ground have for weapons training ?

(ii) What should a *mallaśālā* contain before a combat ?

(iii) Explain what do you understand by *vikṣaṇamaṇḍapa*.

(iv) Give examples for the following exercises :
bhāraśrama and *salilaśrama*.

(v) Explain how *mallakhamba* was performed.

खण्ड ख
(विश्लेषणात्मक कौशल)

SECTION B
(Analytical Skills)

2. नीचे दिए गए दोनों अनुच्छेदों को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *10*

(क) **अध्यापक और विद्यार्थी**

भारतीय संस्कृति में अध्यापक और छात्रों में एक खास तरह का संबंध पाया जाता है । अध्यापक, *गुरु* या *आचार्य* को अत्यधिक सम्मान दिया जाता है और उसे ऐसा मार्गदर्शक माना जाता है जो शिष्य को अज्ञान के अंधकार से मुक्त होकर ज्ञान का प्रकाश प्राप्त करने में सहायता करता है । अध्यापक का घर ही *आचार्यकुल* या *गुरुकुल* का केन्द्र होता था । गुरु और शिष्य में विशेष संबंध होता था और विद्यार्थियों को गुरु के परिवार के सदस्यों के रूप में माना जाता था ।

गुरु के साथ रहने वाले शिष्य आत्मनियंत्रण, संयम और समर्पण का जीवन जीते थे और *यम* (आत्म संयम) तथा *नियम* (पाँच संस्कार) अर्थात् *शौच* शरीर, मन और विचार की पवित्रता; *संतोष* – सकारात्मक सोच; *तप* – कठोर साधना; *स्वाध्याय* – स्वयं अध्ययन करना, आत्मनिरीक्षण; तथा *ईश्वरप्रणिधान* – ईश्वर के प्रति विश्वास और समर्पण से अपने जीवन को नियमित करते थे ।

(ख) **अध्यापक के प्रति सम्मान**

जब गुरु अथवा शिक्षक विद्यालय में प्रवेश करता है, तो वह सदा अधिकतम आदर और सम्मान प्राप्त करता है । उसके विद्यार्थियों को उसके समक्ष भूमि पर पूरा लेट जाना चाहिए, अपना दाहिना हाथ मुँह पर रख लेना चाहिए, और तब तक एक भी शब्द नहीं बोलना चाहिए जब तक वह उन्हें बोलने की अनुमति न मिले । जो गुरु के मना करने पर भी बात करते हों या बड़बड़ाते रहते हों उन्हें विद्यालय से बाहर कर दिया जाता क्योंकि जो लड़के अपनी बोलचाल में नियंत्रण न रख सकें वे बाद में दर्शनशास्त्र की पढ़ाई के लिए अयोग्य माने जाते हैं । इन उपायों से गुरु को सदा वह सम्मान प्राप्त होता है जो उसे मिलना चाहिए । विद्यार्थी आज्ञाकारी होते हैं और सावधानीपूर्वक मन में बिठाए गए नियमों के विरुद्ध आचरण कभी नहीं करते ।

(i) "आधुनिक शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों को स्वीकृति और आज्ञाकारिता से नहीं, प्रश्न और विश्लेषण से परिभाषित किया जाता है, स्वीकृति आ भी सकती है, नहीं भी ।" इन अवतरणों के संदर्भ में, बताइए कि अध्यापक और विद्यार्थी के संबंधों में कैसे बदलाव आ गया है । *6*

(ii) "समय की आवश्यकता है कि *गुरु-शिष्य* परंपरा को पुन: लाया जाए ।" स्पष्ट कीजिए कि यह कैसे किया जा सकता है । *4*

Read both the passages given below and answer the questions that follow :

(a) **The Teacher and the Student**

A given teacher-student relationship obtained in Indian culture. The teacher, the *guru*, the *ācārya*, was highly honoured and was seen as the guide who helped students escape the darkness of ignorance and attain the light of knowledge. The teacher's house was the centre of the *ācāryakula*, the *gurukula*. The student and the teacher had a symbiotic relationship and students were treated as members of the teacher's family.

Students living with the teacher led a life of self-control, abstinence, obedience and devotion and regulated their lives by adhering to *yama* (self-restraint) and *niyama* (five observances), that is, *śauca* – purity of body, mind, thought; *santoṣa* – positive contentment; *tapas* – austerity; *svādhyāya* – self-study, introspection; and *īśvarapraṇidhāna* – faith in and surrender to the gods.

(b) **Respect for the Teacher**

When the Guru, or teacher, enters the school, he is always received with the utmost reverence and respect. His pupils must throw themselves down at full length before him; place their right hand on their mouth, and not venture to speak a single word until he gives them express permission. Those who talk and prate contrary to the prohibition of their master are expelled from the school, as boys who cannot restrain their tongue, and who are consequently unfit for the study of philosophy. By these means the preceptor always receives that respect which is due to him : the pupils are obedient and seldom offend against rules which are so carefully inculcated.

(i) "The modern student-teacher relationship is not defined by obedience and acceptance but by questioning and analysis-acceptance may or may not follow." With reference to the passages, mention how the student-teacher relationship has changed.

(ii) "The need of the hour is to bring back the *guru-shishya* parampara." Elucidate how this can be done.

3. निम्नलिखित दीर्घ-उत्तरीय प्रश्नों में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर दीजिए : *15×1=15*

(i) भारत की युद्ध कलाओं की परंपराएँ इस बात पर बल देती हैं कि भारतीय योद्धा रहे हैं जिन्होंने लोकप्रिय खेलों के रूप में युद्ध कलाओं का विकास किया, साथ ही व्यावसायिक खिलाड़ियों और सैनिकों को प्रशिक्षण दिया । टिप्पणी कीजिए ।

(ii) विभिन्न वंशों के चित्रकारों ने जो विषय और रंग चुने हैं, उन्हें *धर्म,* आनंद, स्वास्थ्य और मुक्ति के लिए लाभकारी माना जाता है । विस्तृत विमर्श कीजिए ।

Answer any ***one*** of the following long-answer type questions :

(i) India's rich martial arts traditions lend weight to the view that Indians have been a martial people who evolved martial arts as popular sports besides being a part of the training of professional players and soldiers. Comment.

(ii) The themes and colours used by the painters of different dynasties are considered beneficial to *dharma*, pleasure, health, and liberation. Elaborate.

खण्ड ग : चिंतन कौशल

SECTION C : Thinking Skills

4. नीचे दिए गए छह लघु उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं ***पाँच*** के उत्तर दीजिए (30 – 40 शब्दों) : *3×5=15*

(i) भारतीय मंदिर-वास्तुशिल्प के पीछे क्या दर्शन है ?

(ii) चरम उद्देश्य [*मोक्ष*] की प्राप्ति के लिए क्या करने की आवश्यकता है ?

(iii) पतंजलि के अनुसार व्याकरण का उद्देश्य क्या है ?

(iv) समरंगसूत्रधारा में वर्णित किसी चित्र के किन्हीं छह अंगों के नाम लिखिए ।

(v) 'अबोरी-उद्यानकृषि' (बागवानी) से आप क्या समझते हैं ?

(vi) अशोक के शिलालेख (राजादेश) आंतरिक व्यापार के बारे में कैसे प्रमाण प्रस्तुत करते हैं ?

Attempt ***five*** out of six short-answer questions given below (30 – 40 words) :

(i) What is the philosophy behind Indian temple architecture ?

(ii) What does one need to do to attain the supreme goal [*moksa*] ?

(iii) What is the purpose of grammar according to Patanjali ?

(iv) Name any six limbs of painting described in *Samarangasutradhara.*

(v) What do you understand by 'abori-horticulture' ?

(vi) How do Ashoka's edicts provide evidence of internal trade ?

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनिए : *1×10=10*

(i) वैदिक काल से ही पशुओं का स्वामित्व होने का अर्थ था धनी होना । __________ पालतू पशुओं और उनके प्रबंधन के बारे में संदर्भों से भरा हुआ है ।

(क) लोकोपकार

(ख) ऋग्वेद

(ग) अर्थशास्त्र

(घ) आयुर्वेद

(ii) दक्षिण भारतीय मंदिरों में, __________ एक बड़ा प्रवेशद्वार होता है, जो सामान्यतया एक मीनार जैसा होता है ।

(क) *गोपुरम*

(ख) *जगती*

(ग) *वेदिका*

(घ) *स्तूप*

(iii) 'भंगड़ा' कहाँ का लोक नृत्य है ?

(क) कश्मीर

(ख) बिहार

(ग) असम

(घ) पंजाब

(iv) *गृहस्थ आश्रम* में उत्सव-कर्मकांड/अनुष्ठानों की संख्या है __________ ।

(क) पाँच

(ख) सोलह

(ग) अठारह

(घ) नौ

(v) *हरिवंश पुराण* के अनुसार, कुश्ती के दो महारथी कौन थे ?

(क) भीम और श्रीकृष्ण

(ख) दुर्योधन और श्रीकृष्ण

(ग) दुर्योधन और बलराम

(घ) श्रीकृष्ण और बलराम

(vi) अच्छी वाणी का लक्षण है

(क) अनुकरण और सुबोधता

(ख) सृजनशीलता और प्रवाह

(ग) मौलिकता और सृजनशीलता

(घ) स्पष्टता और मौलिकता

(vii) प्राचीन काल में, *भरतनाट्यम* को *सैराट्टम* के रूप में मंदिरों में __________ द्वारा प्रस्तुत किया जाता था ।

(क) देवदासी

(ख) महिलाओं

(ग) दरबारी नृत्यांगनाओं

(घ) यक्षगण

(viii) सामान का क्रय और विक्रय, धन के लिए सेवा या उसी के बराबर कुछ देना, कहलाता है __________ ।

(क) निर्यात

(ख) आयात

(ग) व्यापार (ट्रेड)

(घ) व्यवसाय (बिज़नेस)

(ix) पट्टाचित्र ओडिशा की __________ की लोक शैली है ।

(क) पत्ते पर चित्रकारिता

(ख) वस्त्र पर चित्रकारिता

(ग) लोक नृत्य

(घ) मिट्टी के बर्तनों पर चित्रकारिता

(x) *धर्मशास्त्र* किस पर बल देते हैं ?

(क) दार्शनिक ग्रंथों पर

(ख) संपन्नता पर

(ग) सामाजिक नीतिशास्त्र पर

(घ) दान पर

Select most appropriate option for each of the following questions :

(i) Since Vedic times owning cattle meant possessing wealth. The _____________ is full of references to cattle and their management.

(a) Lokopakara

(b) Rigveda

(c) Arthashastra

(d) Ayurveda

(ii) In South Indian temples, ____________ is an elaborate gateway, generally in the form of a tower.

(a) *Gopuram*

(b) *Jagati*

(c) *Vedika*

(d) *Stupa*

(iii) Bhangra is a folk dance of ____________ .

(a) Kashmir

(b) Bihar

(c) Assam

(d) Punjab

(iv) The *grhastha asrama* has ____________ number of festive rituals/ceremonies.

(a) Five

(b) Sixteen

(c) Eighteen

(d) Nine

(v) According to the *Harivamsa Purana*, the two masters of the art of wrestling were _______________ .

(a) *Bhima and Sri Krisna*

(b) *Duryodhana and Sri Krisna*

(c) *Duryodhana and Balrama*

(d) *Sri Krisna and Balrama*

(vi) Good speech is characterized by ________________ .

(a) Imitation and Lucidity

(b) Creativity and Fluency

(c) Originality and Creativity

(d) Clarity and Originality

(vii) In ancient times, the *Bharatanatyam* was performed as *sairattam* by temple _______________.

(a) *Devadasis*

(b) Women

(c) Royal dancers

(d) Yakshagana

(viii) The purchase and sale of goods and services for money or something equivalent to it, is called _______________ .

(a) Export

(b) Import

(c) Trade

(d) Business

(ix) Pattachitra is a folk style of ______________ in Odisha.

(a) leaf painting

(b) cloth painting

(c) folk dance

(d) painting on clay pots

(x) The *dharma-sastras*, emphasize on _____________ .

(a) philosophical texts

(b) prosperity

(c) social ethics

(d) charity